Downloaded From : http://cbseportal.com/

अंङ्क योजना (2017-18)
संस्कृतम् (सम्प्रेषणाधारितम्)
कक्षा : १० (कोड - १२२)
MARKING SCHEME (2017-18)
COMMUNICATIVE SANSKRIT
Class : X (Code - 122)

कृपया ध्यान दीजिए :-

1. कुछ प्रश्नों के उत्तर विकल्पात्मक भी हो सकते हैं। इस अंङ्क योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। प्रदत्त उत्तरों के अतिरिक्त भी सन्दर्भानुसार अन्य सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अंङ्क दिए जाएँ।
2. अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यर्थी अनुच्छेद मे दिए गए शब्दों के समभाव शब्दों अथवा पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं, इसके भी अंङ्क दिए जाएँ। विद्यर्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंङ्क काटे जाएँ सम्पूर्ण नहीं।
3. त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा अशुद्ध व्याकरणिक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंङ्क काटे जाएँ न कि पूरे अंङ्क।
4. आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंङ्क अवश्य दिए जाएँ।
5. खण्ड 'ख' (रचनात्मक-कार्य) में चित्रवर्णन एवं अनुच्छेद-लेखन परस्पर वैकल्पिक हैं। छात्रों ने जिस भी विकल्प का चयन किया हो, वे पूर्ण-अंङ्क के अधिकारी होंगे। वाक्य-संरचना प्रमुख है न कि वाक्य का सौन्दर्य तत्व। आंशिक वाक्य-शुद्धि के लिए भी अंङ्क दिए जाएँ।

खण्डः कः (Section A)
अपठितांश-अवबोधनम् /अपठित-अवबोधन (१० अंङ्काः)
Unseen Reading Comprehension (10 Marks)

1. I एकपदेन उत्तरत : *(प्रत्येक भाग के लिए १ अंक)* — 1×2=2
   - (i) धरा
   - (ii) स्वकर्तव्यम्

   II पूर्णवाक्येन उत्तरत : *(दो प्रश्न, प्रत्येक भाग के लिए २ अंक)* — 2×2=4
   - (i) मनुष्याणां जीवने कर्तव्यपालनेनैव सर्वदा उन्नतिर्भवति।
   - (ii) यः मानवः कर्तव्यपरायणः भवति स एव समतस्य रक्षकः आदरभूतश्च भवति।

   III प्रदत्त विकल्पेभ्यः उचितम् उत्तरं चित्वा लिखतः *(चार प्रश्न, प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक)* — ½×=4
   - (i) (अ) सूर्यः
   - (ii) (ब) सुखमयम्
   - (iii) (अ) सततम्
   - (iv) (अ) सुखमयम्

   (IV) कर्तव्यस्य महत्वम् या अन्य उप्युक्त शीर्षक

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

खण्डः खः (Section B)

रचनात्मक-कार्यम् / रचनात्मक-कार्य (१५ अङ्काः)

Writing Skills (15 Marks)

2. पत्रलेखनम् - (१० रिक्तस्थान, प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक) ½×10=5

(i)	दिल्लीतः	(ii)	21.04.2018
(iii)	रमेश!	(iv)	सप्रेमनमः
(v)	वार्षिकोत्सवम्	(vi)	विद्यालयस्य
(vii)	छात्राः	(viii)	मुख्यातिथिः
(ix)	पुरस्कारान्	(x)	सुहृद्

3. चित्रवर्णनम् - 2×5=10

बच्चों से सरल एवं संक्षिप्त वाक्य/वाक्यपूर्ति अपेक्षित है। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य-रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण-अंक दिए जाएँ। मञ्जूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुनें अथवा नहीं - आवश्यक नहीं है। वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य-निर्माण कर कसते हैं। बच्चे स्वयं भी मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही १० अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए २ अंक हैं।

अथवा (Or)

अनुच्छेदलेखनम् -

यह विकल्प सभी प्रकार के छात्रों के लिए है। बच्चे स्वयं भी मञ्जूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि बदल सकते हैं। अंक दिए जाएँ। इस प्रश्न के भी १० अंक ही हैं। प्रत्येक वाक्य के लिए २ अंक हैं।

खण्डः गः (Section C)

अनुप्रयुक्त-व्याकरणम् / अनुप्रयुक्त व्याकरण (२५ अङ्काः)

Applied Grammar (25 Marks)

4. सन्धिः/सन्धिच्छेदः - (आंशिक दृष्टि से सही उत्तर के लिए आंशिक अंक अवश्य दिए जाएँ। प्रत्येक के लिए १ अंक) 1×4=4

(i) नाववतु

(ii) अद्य+एव

(iii) तरु+छायायाम्

(iv) कोऽपि

5. समासः/विग्रहः - (इस प्रश्न का मूल उद्देश्य 'समस्तपद' अथवा विग्रह की समझ है। प्रत्येक भाग के लिए १ अंक है) 1×4=4

(i) (अ) नीलकण्ठकः

(ii) (स) शक्तिम् अनतिक्रम्य

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(iii) (अ) रामश्यामौ

(iv) (अ) पञ्चना पात्राणां समाहारः

6. प्रकृति-प्रत्ययः - (इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ) 1×4=4

(i) (अ) कर्त्तव्यः

(ii) (ब) क्रीडतः

(iii) (ब) रमणीय+तल्

(iv) (अ) लौकिक+ङीप्

7. वाच्य-परिवर्तनम् - (इस प्रश्न का उद्देश्य छात्रों को वाच्य-परिवर्तन की क्षमता एवं समझ को परखना है। छात्रों से पूर्ण संवाद का पुनः लेखन अपेक्षित है तथापि नहीं लिखने पर भी पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग हेतु १ अंक है) 1×3=3

(i) ग्रन्थः

(ii) रविणा

(iii) क्रियते

8. समयः - (प्रत्येक भाग के लिए १ अंक है) 1×2=2

(i) पञ्चवादने

(ii) समादसप्त्वादने

9. अव्ययानि - (बच्चे अर्थानुसार प्रयोग करें, प्रत्येक भाग के लिए १ अंक है) 1×4=4

(i) बहिः

(ii) कदा

(iii) मा

(iv) पुरा

10. अशुद्धि-संशोधनम् - (प्रत्येक भाग के लिए १ अंक है) 1×4=4

(i) गच्छावः

(ii) सा

(iii) गमिष्यति

(iv) सर्वाणि

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

खण्डः घः (Section D)

पठित-अवबोधनम् / पठित-अवबोधन (30 अङ्काः)

Reading Comprehension (30 Marks)

11. इस प्रश्न का मूल उद्देश्य अवबोधन परीक्षण है। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अंक दिए जाएँ। आंशिक उत्तर सही होने पर आंशिक अंक दिए जाएँ :-

(अ) **गद्यांशः**

I) एकपदेन उत्तरत :- 1×2=2

(i) बालकान्

(ii) गर्तसङ्कुले

II) पूर्णवाक्येन उत्तरत :- 2×1=2

(i) उद्दण्डः बालकः अवदत् - "अयि भो! यद्येवं तर्हि कथं भवन्तौ सुपथं परित्यज्य अनेन कुपथेन गन्तु प्रवृतौ? अपि इदं श्रेयस्करम्?"

III) भाषिक-कार्यम् (विकल्पेभ्यः चयनम्) ½×4=2

क) (iii) बालकः

ख) (ii) सुपथम्

ग) (ii) बाल्केभ्यः

घ) (i) उद्दण्डः

(आ) **पद्यांशः**

I) एकपदेन उत्तरत :- 1×2=2

(i) अन्धः

(ii) बधिरः

II) पूर्णवाक्येन उत्तरत :- 2×1=2

(i) यः काले प्रियाणि वक्तुं न जानाति सः मूकः भवति?

III) भाषिक-कार्यम् (विकल्पेभ्यः चयनम्) ½×4=2

क) (ii) मूकः

ख) (iii) न कार्यरतः

ग) (i) श्रु

घ) (i) तुमुन

(इ) **नाट्यांशः**

I) एकपदेन उत्तरत :- 1×2=2

(i) द्रौणिः

(ii) द्रौणेः

II) एकवाक्येन उत्तरत :- 2×1=2

(i) यदा श्रीकृष्णः द्रौणिने चक्रम् अयच्छत्, तदा सः सव्येन पाणिना चक्रं गृहीतवान्, किन्तु सः तत् चक्रं स्वस्थानात् सञ्चालयितुम् अपि समर्थः न अभवत्।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

III) भाषिक-कार्यम् (विकल्पेभ्यः चयनम्) ½×4=2

क) (iii) असन्तुष्टः

ख) (ii) सण्येन

ग) (i) तुमुन्

घ) (iii) द्रौणिः

12. प्रश्ननिर्माणम् - (इस प्रश्न में बच्चे केवल प्रश्नवाचक शब्द लिख सकते हैं। वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। इस प्रश्न में अवबोधन प्रमुख है तथा विकल्पात्मक उत्तर हो सकते हैं। 1×4=4

(i) कः

(ii) कासु

(iii) का/किम्

(iv) कदा

13. अन्वयः - (बच्चे केवल पद भी लिख सकते हैं) ½×8=4

(क)	(i)	अयम्	(ii)	अपूर्वः	(iii)	वृद्धिम्	(iv)	क्षयम्
(ख)	(i)	बाल्ये	(ii)	विद्याधनम्	(iii)	तपः	(iv)	तत्कृतज्ञता

14. शब्दार्थः - (इस प्रश्न में बच्चे उत्तर की क्रमसङ्ख्या भी लिख सकते हैं। वर्तनी आदि कि दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए १ अंक है।) 1×4=4

(क) (ii) प्रमथनशीलम्

(ख) (i) निरन्तरम्

(ग) (iii) प्रासादाः

(घ) (i) नौका

* * * * * * * * * *

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE